

आयुष्मान ट्रस्ट द्वारा विज्ञान भवन में आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन

पीएम मोदी ने गरीबों के अनाज को सभी वर्ग का भोजन बना दिया : कैलाश चौधरी



केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री बोलें- आज मिलेट्स गरीबों का नहीं, हर तबके का भोजन

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आयुष्मान ट्रस्ट द्वारा आयुषकॉन-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसका थीम था-मिलेट्स फूड रीवरलिविंग्सन। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में हरियाणा के राज्यपाल बंदास दत्तात्रेय, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, विहार झारखंड के संपर्क विभाग के वृत्त प्रचारक अनिल ठाकुर, अरुण प्रदेश के अशोक चाम्पैय, मोहन ठाकुर उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन वक्तव्य में आयुष्मान ट्रस्ट के संयोजक डॉक्टर विपिन कुमार ने मंच पर उपस्थित सभी विशेष अतिथियों को सौद एवं प्रशंसित चिन्तक सम्मानित किया। उन्होंने अपने स्वगत भाषण में बंदास दत्तात्रेय, केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, अनिल ठाकुर, अशोक चाम्पैय तथा मोहन ठाकुर का स्वागत किया और आयुषकॉन-2023 के इस आयोजन में उनकी उपस्थिति के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉक्टर विपिन कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए कहा कि

आज उनकी प्रयासों से भारत खेद पर कदम रखने में सफल रहा। यह क्षण हम सब भारतवासियों के लिए सौभाग्य का क्षण है। कहा कि प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज को एक विशिष्ट नाम भी अलग-अलग नामों से संबोधित कर दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री की साधुवाद देते हुए कहा कि वे एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पद संभालते ही आयुष मंत्रालय वक्तव्य और इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया। डॉ. विपिन कुमार जी ने इस मिलेट्स वर्ष की अंतरराष्ट्रीय महार का वर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता है। जागरूकता सही अनाज उपभोग की। उन्होंने सम्मेलन के उद्घाटन भाषण में कहा कि मिलेट्स में फाइबर प्रोटीन होता है। इसे पैदा करने में कम पानी और कम फर्टिलाइजर लगता है। इन कम पानी वाले इलाकों में उगाया जा सकता है। डॉ. विपिन कुमार ने मिलेट्स उत्पादन के दो लाभ बरकरार स्वास्थ्य लाभ और दूसरा आर्थिक लाभ। उन्होंने कहा कि इससे भारत की आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा। डॉ. विपिन कुमार जी ने बताया कि हम इस वर्ष मिलेट्स वर्ष के साथ साथ

महर्षि अरविंद की 150 वीं जयंती भी मना रहे हैं। महर्षि अरविंद ने न केवल स्वाधीनता को लड़ाई लड़ी, बल्कि उन्होंने समाज में मानवतावादी दृष्टिकोण देने का प्रयास किया। उन्होंने उपस्थित अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आयुष की जरूरत क्यों है? उन्होंने कहा कि आयुष स्वास्थ्य लाभ के लिए बेहद जरूरी है। यह स्वस्थ रहने का एकमात्र साधन है। डॉ. विपिन कुमार ने खानपान पर जोर देते हुए कहा कि यह मात्र खानपान नहीं है, इस सम्मेलन का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है। इस अवसर पर उन्होंने मंच पर उपस्थित केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी का भी मिलेट्स की दिशा में उनके प्रयासों की भूरी भूरी प्रशंसा की। अपने वक्तव्य के अंत में उन्होंने इस दोदिपक्षीय सम्मेलन की सफल स्मरण प्रस्तुत की और स्वागत में उपस्थित विभिन्न शहरों, संगठनों, संस्थाओं से आभे हुए श्रोताओं का अभिवादन किया और उनका स्वागत किया। विहार झारखंड के संपर्क विभाग के प्रान्त प्रचारक अनिल ठाकुर ने मंच पर उपस्थित सभी विशिष्ट अतिथियों की आभे अभिवादन किया और भारी संख्या

में उपस्थित अतिथियों को देखकर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली में भीड़ जुटाना बड़ा मुश्किल है पर डॉक्टर विपिन कुमार के प्रेम एवं कार्यक्रमोन्मुखता से यह संभव हुआ है। इसके लिए उन्होंने डॉक्टर विपिन कुमार की विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने विहार एवं झारखंड में मिलेट्स उत्पादन की प्रगति पर भी प्रशंसा डाला। डॉक्टर अनिल ठाकुर ने कहा कि रांची के मुमुक्षु के डीमो को भारत सरकार ने रांची के उत्पादन के लिए पुरस्कार दिया। रांची के आसपास रांची का अनुपूर्व उत्पादन हुआ है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आधुनिकीकरण को अपने छोटे छोटे खेतों में इसका भारूप उत्पादन कर रहे हैं। श्री अनिल ठाकुर ने बताया कि झारखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में इसका किसान मिलेट्स उत्पादन में भारी योगदान दे रहा है। अतः हमारे देश के अशोक चाम्पैय जी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत फार्मर वर्क मेडिशन के कानन से की, जिसमें उन्होंने कहा कि अपने भोजन को दवा बनाओ न कि दवाओं को अपना भोजन। उन्होंने कहा कि आपसक भोजन ही आपकी औषधि बननी चाहिए। श्री अशोक

चाम्पैय ने कहा जो व्यक्ति जहाँ जन्म लेता है उसको वहाँ की औषधि हितकारी होगी है। उन्होंने स्थानीय भोजन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति है जहाँ जिस भौगोलिक परिस्थितियों में रहता है, उसे उसी भौगोलिक परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन अपनाना चाहिए। उन्होंने बिदेशों में घात रहे हैं राजन-संजनाल फूड अभियान का भी उल्लेख किया। उन्होंने भारतीयों में बढ़ते रोगों का एक बड़ा कारण विषम परिस्थितियों में उत्पन्न भोजन को माना। उन्होंने कहा कि हम अपना भोजन छोड़कर बिदेशी भोजन अपना रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर भी जोर दिया। श्री अशोक चाम्पैय ने कहा कि भारत की औषधि मुक्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोराना ने शिक्षा की औषधियों पर निर्भरता बनाकर है। कोराना काल में हम प्राकृतिक मेडिसिन की ओर पलायन करें। उन्होंने कहा कि भारत संभवतः मिलेट्स का सर्वाधिक उपभोग करने वाला देश है। श्री चाम्पैय ने कहा कि खाद्यरूप गुड भी एक मेडिशन है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स का प्रयोग संतुलित होना चाहिए, अधिकता

उसकी ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि मिलेट्स में प्रोबि, प्रोबिऑटिक की भरपूर मात्रा होती है लेकिन उसे खातुओं के अनुसार ही उपभोग किया जाना चाहिए। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने अपने वक्तव्य की शुरुआत भारत माता के जलकारी से किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि काल प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम खेद मिशन में सफल रहे। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने सम्मेलन संयोजक विपिन कुमार का भी विशेष धन्यवाद किया और कहा कि आज सबसे जरूरी है निरोगी कान। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर आज का खरदान है। उन्होंने स्वयं का उदाहरण देते हुए बताया कि वे राजस्थान के बाड़मेर (पाकिस्तान सीमा) का व्यक्ति हैं, जहाँ हमने बरफन सेअज तक काजर को रोटी खाई है। उन्होंने कहा मेरा पूरा जीवन काजर पर ही गुज़रा है। और जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष को मिलेट्स वर्ष घोषित किया तो सबसे ज्यादा खुशी उन्हें ही हुई। उन्होंने मिलेट्स को लेकर फरती आ रही उस वक्त धारण का भी उल्लेख

सभी लोगों को रोज टहलना चाहिए : दत्तात्रेय

राजस्थान में योग एवं आयुष को अनाजाने पर दिनांक

उद्घाटन सत्र का अंतिम वक्तव्य हरियाणा के राज्यपाल बंदास दत्तात्रेय का रहा। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए संयोजक डॉ. विपिन कुमार की प्रशंसा की और योग एवं आयुष को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से लोगों को रोज टहलना चाहिए, विशेषकर महिलाओं को। उन्होंने लड़कियों को साइकिल और निडर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने एक प्रसिद्ध कहावत से अपने बात को आगे बढ़ाया-घन जल ही कुछ नहीं जाता। स्वास्थ्य बना जगते को थोड़ा जाता है परंतु खरिब चलत जात ही सबकुछ चलत जाता है। इस बात को उन्होंने उपस्थित अतिथियों से बाँटबाँट लेने के लिए कहा। उन्होंने इस अवसर पर महर्षि अरविंद के 150 वीं जयंती पर उन्हें याद करते हुए उनकी उपस्थितियों को श्रोताओं के सामने रखा। उन्होंने आयोजन समिति को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मंच पर उपस्थित मोहन ठाकुर ने अपने निजी अनुभवों के आधार पर बताया कि किस प्रकार अस्वास्थ्य रोग से योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं स्वयं पर नियंत्रण रखकर निवृत्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि एलेक्ट्रॉनिक उपकरण के समावेश से उन्होंने अपने स्वास्थ्य को साइज बनाए रखने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने कहा कि गैर का अट्टा कई रोगों की जड़ है। उन्होंने कहा कि जीवन में सत-नडा का प्रयोग करना चाहिए। अर्थात् सत अनाज मिलाकर अट्टा का प्रयोग किया जाना चाहिए, इससे शुगर नियंत्रित रहती।

किया जिसमें कहा जाता था कि भारत में मिलेट्स गरीबों का भोजन है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री को सराहना की कि उन्होंने गरीबों के अनाज को सभी वर्ग का भोजन बना दिया और आज मिलेट्स गरीबों का नहीं, हर तबके का भोजन। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी अलग नाम देकर मिलेट्स को जो सम्मान दिया है, उसके लिए वे सच उत्कृत आभारी हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य सबसे पहले स्वयं पर लागू करके ही देखा जाना चाहिए। उन्होंने नेचुरल मेरसे, योग तथा सही खानपान को अपनाने पर जोर दिया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले लोग पेल्लेपीप मेडिशन को ही लेते थे। सब कुछ अनाज-उप-पैदा हुई चीजों से ठीक हो जाता था।

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी की साधक वक्तव्य के बाद कई सम्मानित लोगों को

आयुषकॉन 2023 एकिसलेनस अरविंद से सम्मानित किया गया, जिनमें प्रमुख हैं

- देवन राय
- अरविण्ड सिंहा
- डॉ विनोद कुमार यादव
- डॉ विश्वरूप राय चौधरी
- डॉ. अमेश शर्मा
- डॉ. पीके सिंहा
- डॉ. रवि मोदी
- डॉ. छद्मर कली
- पुष्प गुप्ता
- डॉ. नील कुमार
- ओपी यादव
- समय धूपन जैन
- राजेश शीतल
- सिद्धार्थ एच. कुमार
- अर्जुन चोपड़ा
- संजित राय
- दिनेश चोकन
- डॉ. सत्यकेतु सांकृत